पाठ 16 आओ, नक्शा बनाएँ

एक बार अनिल अपने चाचा जी के साथ बाजार घूमने निकला। चाचा जी ने बताया–सड़क पर बायीं ओर चलना चाहिए। अनिल ने कहा– चाचा जी, दायाँ, बायाँ क्या होता है?

आइए, आज हम दाएँ–बाएँ को समझें।

आपकी कक्षा के अधिकतर साथी जिस हाथ से लिखते व खाना खाते हैं वह उनका दायाँ (दाहिना) हाथ होता है। इसे सीधा हाथ या जीमणा हाथ भी कहते हैं। इसी प्रकार दूसरा हाथ बायाँ हाथ होता है। इसे उल्टा हाथ या डावाँ हाथ भी कहते हैं। अधिकतर लोग अपने समस्त कार्य दाएँ हाथ से करते हैं एवं कुछ लोग बाएँ हाथ से भी लिखते एवं कार्य करते हैं।

देखिए और बताइए

- आपकी कक्षा में कितने साथी दाएँ हाथ से व कितने साथी बाएँ हाथ से लिखते हैं?
- आपके विद्यालय के मध्यांतर भोजन कितने साथी दाएँ हाथ से व कितने साथी बाएँ हाथ से खाना खाते हैं?

दाएँ व बाएँ हाथ की पहचान

- अपनी कॉपी में खाली पन्ने पर बाएँ हाथ की हथेली को रखकर चारों ओर पेंसिल घुमाकर हथेली का चित्र बनाइए। इसी प्रकार दाएँ हाथ

की हथेली का भी चित्र बनाइए।

बायां हाथ दायां हाथ

चित्र 16.1 हाथ की छाप बनाते हुए

अब कक्षा के दूसरे साथियों की हथेली को हथेली की इन छापों पर इस प्रकार रखो कि अंगूठा अंगूठे पर व अंगुलियाँ अंगुलियों पर रहे। इस प्रकार अपने साथियों के दाएँ व बाएँ हाथ की पहचान कीजिए।

यहाँ एक विद्यालय का चित्र दिया गया है। यदि आप इस विद्यालय

चित्र 16.2 विद्यालय

में प्रवेश कर रहे हैं तो बताइए

- आपके बायीं ओर क्या है?

  _____

- आपकी दायीं ओर क्या–क्या हैं?

  _____

- विद्यालय के पीछे की ओर क्या–क्या हैं?

  _____

  _____

नीचे श्यामा के घर के आस–पास का दृश्य है। इसे ध्यान से देखिए

चित्र 16.3 श्यामा के घर के आस–पास का दृश्य

चित्र 16.4 नज़री नक्शे के संकेत (संकेत अमानकीकृत हैं)

संकेतों द्वारा किसी स्थान का रेखा चित्र बनाना नजरी नक्शा कहा जाता है। यदि हमें श्यामा के घर के आस–पास का नजरी–नक्शा बनाना हो तो सभी स्थानों को संकेत से बनाना आसान होगा। ऊपर कुछ स्थानों के लिए संकेत दिए गए हैं। उनका उपयोग कर नजरी–नक्शे को पूरा कीजिए

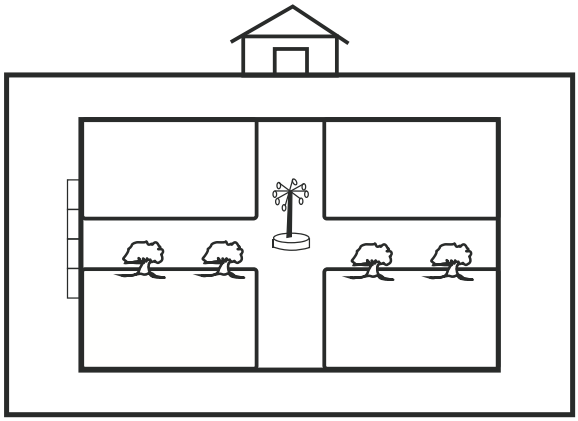

चित्र 16.5 नज़री नक्शा

दिशाएं होती चार

नज़री नक्शा बनाते समय दाएँ–बाएँ,आगे–पीछे के अतिरिक्त दिशाओं का भी ज्ञान होना आवश्यक है। दिशाएँ चार होती है (पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण)। सूरज (सूर्य) पूर्व दिशा में उदय होता है तथा पश्चिम दिशा में अस्त होता है। यदि हम उगते सूरज की ओर मुँह करके खड़े हो जाए तो हमारी पीठ के पीछे पश्चिम दिशा, बाएँ हाथ की तरफ उत्तर दिशा तथा दाएँ हाथ

की तरफ दक्षिण दिशा होती है। दिशाओं की विस्तृत जानकारी हम अगली कक्षा में प्राप्त करेगें।

सोचिए और लिखिए

- दिशाएँ कितनी होती है? नाम लिखिए।

  _____

- सूर्य कौनसी दिशा मे उदय तथा कौनसी दिशा में अस्त होता है?

  _____

- आपके घर का मुख्य द्वार किस दिशा में है?

  _____

- आपके विद्यालय का प्रवेश द्वार किस दिशा में है?

  _____

हमने सीखा

- दाएँ–बाएँ और आगे–पीछे को समझा।
- संकेतों के आधार पर नज़री–नक्शा बनाया जा सकता है।
- दिशाएँ चार होती है पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण।

संकेतों का रखो ध्यान
नक्शा बनाना हुआ आसान